हिन्दुस्तान

1936

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

शुक्रवार
3 अक्टूबर 2025, बरेली

PAGE NO 5 : BOTTOM

कार्यक्रम | स्वतंत्रता सेनानी श्रीराम मूर्ति के 37वें स्मृति दिवस पर प्रतिभाओं का सम्मान, गांधी और शास्त्री जी के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

एसआरएमएस ने 216 मेधावियों को बांटी छात्रवृत्ति

बरेली। वरिष्ठ संवाददाता। श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट ने गुरुवार को स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व मंत्री श्रीराम मूर्ति का 37वां स्मृति दिवस मनाया। ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति ने पीजीआई चंडीगढ़ के पूर्व विभागाध्यक्ष सर्जरी प्रो. एसएम बोस, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ (छत्तीसगढ़) की कुलपति प्रो. लवली शर्मा, एआरओएच संस्था की अध्यक्ष डॉ. नीलम गुप्ता, रिस्क एंड काम्पलाइनसेज इनफोसिस के हेड मनीष कुमार और कर्णव रस्तोगी को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए राम मूर्ति प्रतिभा अलंकरण से सम्मानित किया।

एसआरएमएस में इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ छत्तीसगढ़ की कुलपति प्रोफेसर (डा.) लवली शर्मा को राम मूर्ति प्रतिभा अलंकरण सम्मान देते अतिथिगण।

एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थानों में अध्ययनरत 216 विद्यार्थियों को 3.5 करोड़ की छात्रवृत्ति बांटी गई। विद्यार्थियों को 20 हजार से लेकर दो लाख तक की छात्रवृत्ति दी गई। श्रीराम मूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के शतिक प्रेक्षागृह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। चेयरमैन देव मूर्ति ने ट्रस्ट की स्थापना, संस्थाओं और सामाजिक कार्यों और छात्रवृत्ति के संबंध में बताया। ट्रस्ट सचिव आदित्य मूर्ति ने गांधी और शास्त्री को याद किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुज कुमार ने किया।

समारोह में प्रदेश सरकार के मंत्री डॉ. अरुण कुमार, सांसद छत्रपाल गंगवार, विधायक बिथरी चैनपुर डॉ. राघवेंद्र शर्मा, विधायक मीरगंज डॉ. डीसी वर्मा, विधायक भोजीपुरा शहजिल इस्लाम, पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार मौजूद रहे। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के ब्लड बैंक की ओर से आयोजित कैंप में 109 यूनिट रक्त एकत्र हुआ।

विशाल पांडेय की कहानी को मिला पहला पुरस्कार

कहानी प्रतियोगिता में विशाल पांडेय की कहानी मत बांधो इनको जंजीरों में के लिए प्रथम पुरस्कार 11,000 रुपये और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। सौम्या नैन बिश्नोई को कहानी मन का बगीचा- सरिता की कहानी के लिए द्वितीय पुरस्कार के रूप में 7500 रुपये और निशांत कुमार को कहानी अधूरा चित्र के लिए तृतीय पुरस्कार के रूप में 5100 रुपये एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। आदित्य कुमार गौतम की कहानी जिजीविषा एवं आंचल सिंह की कहानी वाराणसी की परछाइयां: एक मौन चीख को सांत्वना पुरस्कार मिला।